सादा फाइबर झोला (सपिङ्ग ब्याग) चाहिएमा सम्पर्क गर्नुहोला ।
प्रो. टीकाराम चौधरी
शुभम् कम्प्युटर एण्ड स्क्रीन प्रिन्ट
धनगढी, बसपार्क (निकासरोड)
मोबाइल नम्बर:
९८०४६१३८३९, ९८६८७७१५४८

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

यौन दुराचारी जहाँपनि हुन सक्छन्, त्यस्ता दुराचारीबाट सजग र सचेत रहौं, आफू पनि बचौं र अरुलाई पनि बचाऔं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २० अंक २२९ वि.सं. २०७९ चैत ०१ गते बुध थारु सम्वत (२६४६) [Wednesday 15 March. 2023] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

राना/कठरियाथारु समदाय मनैलै खख्डेहरा पर्व

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० फागुन । सुदूरपश्चिम प्रदेशके कैलाली ओ कञ्चनपुरमे बसोबास रहल रानाथारु ओ कठरियाथारु समुदायसे उल्लासपुर्वक खख्डेहरा पर्व मनैले बटै ।

माघके पूर्णिमासे फागुन पूर्णिमासम ३८ दिन खेलगिल होरीके मंगर अन्तिम दिन संस्कार अनुसार पूजपाठ करटी खख्डेहरा पर्व मनाइलक हुइट ।

माघके पूर्णिमाके दिनहोरी रख्ठै ओ उहे दिनसे होरी सुरु हुइठ, नेपाल रानाथारु समाजके केन्द्रीय अध्यक्ष कृपाराम राना बटैठै । फागुनके पुर्णिमा होरीमे आगी लगैना कैजाइठ, उहाँकहलै, 'होरीमे आगी लगाइल दुसर दिनहे टिका कहठै । टिकाके दिन गाउँ भर मनै होरी जरके हुइल खरानीके टिका लगैटी होरी खेल्ठै ।'

टिकाके आठौं दिनखख्डेहरा हो । खख्डेहरा कहलहोरीके बिदाईके दिनके रुपमेफे लेजाइठ उहाँकहलै । खख्डेहराके दिनसकारे उठके गाउँभरिक हरेक घरसे एक एकजाने मनै खख्डेहरा फुटाई जैना करठै ।

खख्डेहरा फुटाई जाईबेर गाग्री,

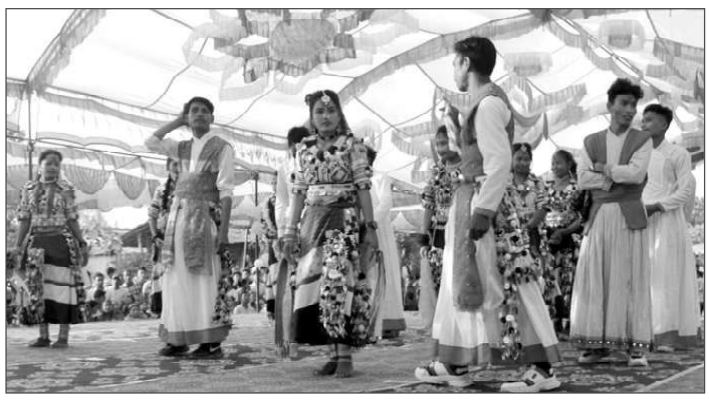

लोटा, खपटाके टुक्रा, माटीक गोली, सतनजा (सातअन्न), शुद्ध पानी, कन्डाआदी चाहठ ।

घर घरसे बिहाने खिप्टामे लसरी सुइरो गाँसल माटीकगोलीबोक्टी 'आउ रेउ लुली लंगडी, कानीखुत्री, रोगधोग, भूतब्यार'कहटी घर घरसे खख्डेहरा लैजाके जैना चलनबा। खख्डेहरा गाउँसे बाहेर गाउँलेसे नानलसामग्री एक जुट हुके गाउँके प्रधानवाचाकर (गाउँके चौकीदार)से फुटैना चलनरहल नेपाल रानाथारु समाजकञ्चनपुरके जिल्लाअध्यक्ष प्रेमवती राना बटैली ।

यी बरस रानाथारु समुदायसे खख्डेहरा पर्व मंगरके रोज कञ्चनपुर जिल्ला लालझाँडी गाउँपालिका–३ नन्दगाउँमे मनाइल उहाँ बटैली ।

ओस्टेक कठरिया समुदायसे यीपर्वहे कैलालीके घोडाघोडी नगरपालिका–११सिसैया गाउँमे मनाइल नेपाल कठरिया समाजकेपूर्व केन्द्रीयअध्यक्षगया प्रसाद कठरिया बटैलै ।यिहे चैत १ गते बुधके रोज (काल्ह) कैलालीजिल्ला कैलारी गाउँपालिका–८ लौसा गाउँमे खख्डेहरा सांस्कृतिककार्यक्रमके आयोजनाफे करल उहाँ बटैलै ।

रानाथारु ओ कठरिया समुदाययीपर्वहे सबसे भारी पर्वके रुपमे मनैटी आइलओरसे सुदूरपश्चिमप्रदेशके कैलालीओ कञ्चनपुरमे प्रदेश सरकारसे सार्वजनिकविदाडेहल रहे ।

खख्डेहरा फुटाके अउइयाहुक्रे फेर होलीमे जराइल धुर लेके गाउँक भलमन्सा, पधना, अगुवालगायत सक्कुहुनके घर घरमे पुगके सक्कुहुनहे उ भुवाके टिका लगाके आशिर्वाद डेटी खुसियाली मनैना करठै । गाउँके प्रतिष्ठित व्यक्तिसे दक्षिणाफे उठैना करठै । उ दिनगाउँभरके मनै अपन खेतीपाती, गोरु गाडा समेत बन्द करे पर्ना चलन बा । कोई अटेर करके गोरु गाडा चलैलेसे डण्ड (जरिवाना) कैना चलन रहटी आइल बा ।

तराई क्षेत्रमे गर्मी बढ्लसंगे महामारी, मलेरिया, प्रकोप बढ्ना समय सुरु हुइल ओरसे ति प्रकोप नआए कहिके सामुहिक रुपमे आदिवासी रानाथारु/कठरिया समुदायसे खख्डेहराके नाममे उ सक्कु समस्याहे पिटके फुटाके भगाइक लाग खख्डेहरा पर्व मनैना प्रचलन रहल रानाथारु जानकार बटैठै ।

धनगढी नमूना प्राविधिक माविके ७५औं वार्षिकोत्सव/हिरक जयन्ती

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० फागुन । धनगढी उपमहानगरपालिका–८ मे रहल धनगढी नमूना प्राविधिक माविके ७५औं वार्षिकोत्सव/हिरक जयन्ती महोत्सव समारोह तथा अभिभावक दिवस मनागिल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रमुख देवराज जोशीके वडका पहुनामे हुइल कार्यक्रममे विशिष्ट पहुना धनगढी उपमहानगरपालिकाके उप प्रमुख कन्दकला राना, ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पसके प्रमुख धर्मदेव भट्ट, वडा नम्बर ८ के वडा अध्यक्ष जुगराम चौधरी रहल रहिट ।

कार्यक्रममके बोल्टी वडका पहुना प्रदेश प्रमुख देवराज जोशी अब्बे प्राविधिक शिक्षाके आवश्यकता रहल बटैलै । उहाँ कहलै, गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान करटी विद्यार्थीनके भविष्य सुनिश्चित कैना कर्तव्य हो ।'

कार्यक्रमके विशिष्ट पहुना धनगढी उपमहानगरपालिकाके उपप्रमुख कन्दकला राना भौतिक विकाससेफे अब्बे शिक्षा, स्वास्थ्य ओ मानव विकास कैना जरुरी रहल बटैली ।

धनगढी उपमहानगरपालिका डुबान क्षेत्र रहल ओरसे डुबानमुक्त बनैना उपमहानगरहे ढेर बजेटके आवश्यकता रहल बटैली । धनगढी नमूना प्राविधिक माविके अपनेफे पहिले सदस्य रहल कहटी अब्बे ढेर विकास करल बटैली ।

ओस्टेक विशिष्ट पहुना ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पसके प्रमुख धर्मदेव भट्ट अब्बेक समय प्रविधिमैत्री शिक्षा सिख्ना सिकैना समय रहल बटैलै । समाज परिवर्तनके लाग अभिभावकसे अपन लर्कनसे सुरु करे पर्ना बटैलै । उहाँ कहलै, बालबालिका पहिल पाठशाला घर ओ पहिल शिक्षक डाई बाबा हुइट । ओइने जस्टे संस्कार डिही ओस्टेहे लर्काफे हुइना उहाँ बटैलै । खानाके सट्टा लर्कनहे चाउचाउ, जंङक फुड डेहे ओइनेक स्वास्थ्य विगरल, सुफलाइक लाग मोवाइल पैसा डेहल कारण लर्का विगरटी गैलफे उहाँ बटैलै ।

कार्यक्रममे धनगढी उपमहानगरपालिका–८ के वडा अध्यक्ष जुगराम चौधरी विद्यालयहे धेरवार कैना ओ लग्गेक खोला कटानीसे बचाइक लाग तटबन्धके आवश्यक रहल बटैलै ।

कार्यक्रममे नेपाल शिक्षक संघ कैलालीके अध्यक्ष तथा शारदा माविके प्रअ तेजबहादुर सिंह, उ विद्यालयके पूर्व अध्यक्ष शिवराज राना, उपेन्द्रराज जोशी, नेपाली काँग्रेस धनगढी उपमहानगरपालिका–८ के वडा सभापति मोहन ओझालगायत मन्तव्य करल रहिट ।

विद्यालयके प्रअ लक्ष्मणदत्त भट्ट विद्यालयके प्रगति ओ अवस्थाबारे जानकारी डेहल रहिट । ७५औं वार्षिकोत्सव/हिरक जयन्ती महोत्सव समारोह तथा अभिभावक दिवस कार्यक्रममे अवसरमे उहे विद्यालयके पूर्व विद्यार्थी समेट रहल पूर्व मन्त्री, पूर्व प्रतिनिधिसभा सदस्य नारादमुनी राना, धनगढी उपमहानगरपालिकाके उपप्रमुख कन्दकला, विद्यालयके पूर्व कर्मचारी हरिष चन्द्र चौधरी, सूर्य प्रसाद चौधरीहे सम्मान कैगिल बा ।

ओस्टेक सम्मानित हुइलमे विद्यालयके प्रअ लक्ष्मणदत्त भट्ट, शिक्षक गंगाप्रसाद चौधरी, विद्यालयके शिक्षक/शिक्षिक योगेश बुढा, मिना जोशी उपाध्याय, निर्मला भट्ट सापकोटा ओ पारु ओझा जोशी रहल बटै । ओस्टेक करके विद्यालयके शैक्षिक गुणस्तरमे टेवा पुगाइकल लाग महायज्ञ संचालन करके सहयोग करुइया शिवराज ओझाफे सम्मानित हुइल बटै ।

विद्यालय व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष लक्ष्मीराज जोशीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रमके संलालन प्रेमप्रसाद भट्ट करले रहिट । टमान विद्यालयके प्रअ, अभिभावकहुकनके सहभागितामे हुइल कार्यक्रममे बार्षिकोत्सवके अवसरमे हुइल खेलकुडमे सहभागी खेलाडीहुकनके पुरस्कार प्रमाण वितरण कैगिल रहे । कलेसे विद्यार्थीहुकनके नृत्य प्रस्तुत कैगिल रहे ।

महानायक स्वर्गीय पर्शुरामके शोकसभा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० फागुन । थारु समुदायके महानायक स्वर्गीय पर्शुराम चौधरीके १३ औं दिनके पुण्यतिथिके अवसरमे मंगरके रोज शोक सभा कार्यक्रम कैगिल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रज्ञा प्रतिस्थानके कुलपति डा. टिएन जोशीके प्रमुख आतिथ्यमे हुइल कार्यक्रममे विशिष्ट पहुनामे थारु महानायक प्रेम चौधरी, प्रेम भण्डारी, थक्कर बम, मेघा स्टार संगत थारु, राजकुमार जोशी, निर्देशक चन्द्र चौधरी (चाँद) तेजा ऐर, राष्ट्रिय थारु कलाकार मंच प्रदेश ७ के कोषाध्यक्ष राजु चौधरी (राज), समु चौधरी, गोबिन्द मुखिया ओ उषा गोरी लगायत उपस्थितिमे शोकसभा कार्यक्रम कैगिल हो ।

कार्यक्रममे बोल्टी वडका पहुना डा. जोशी महानायक स्व. पर्शुराम चौधरीसे थारु समुदायके सलिमामे डेहल योगदानके कदर करटी कलाकारहुकनके कल्याणके लाग पहल कैना बाचा करलै ।

राष्ट्रिय थारु कलाकार मञ्च प्रदेश ७ ओ सुप कला प्रतिस्थानके सयुक्त आयोजनामे हुइल शोकसभाके कार्यक्रम सुप कला प्रतिस्थानके अध्यक्ष अम्बिका प्रसाद आचार्यके घरगोस्याईमे हुइल रहे । कार्यक्रमके संचालन गुनाकर पनेरु करल रहिट ।

दुर्घटनामे ४ घाहिल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० फागुन । डोटीमे जीप दुर्घटनामे परके ४ जाने यात्रु घाहिल हुइल बाटै । डोटीके दिपायल सिलगढी नगरपालिका ६ सिलगढी स्थित अदालत मोडमे जीप दुर्घटना होके ४ जाने यात्रु घाहिल हुइल हुइट ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय डोटीका प्रहरी निरिक्षक देबेन्द्रराज जोशीके अनुसार सिलगढीसे दिपायल जैटी रहल सु.प.प्र. ०१–००१ ज १२५९ नम्बरके फोर्स जिप ओ सु.प.प्र. ०१०१० प ४७७४ नम्बरके मोटरसाइकल एक आपसमे टकराइल रहे । पाँच जाने सवार रहल जीपमे ४ जाने घाहिल हुइल बाटै ।

घाहिल हुउइयामे दिपायल सिलगढी नगरपालिका वडा नम्बर ७ के ६५ वर्षीया धौलीदेवी विष्ट, २४ वर्षीया दुर्गादेवी विष्ट, २९ वर्षीया टंक कुमारी उपाध्याय ओ दिपायल सिलगढी नगरपालिका वडा नम्बर ६ के मोटरसाईकल चालक बिष्णु बोहरा रहल बाटै । ओभर स्पीडके कारण दुर्धटना हुइल जनाइल बा । जीप सडकसे ५० मिटर टरे गिरल रहे । *(बाँकी २ पेजमे)*

'ओजरार टीकापुर' अभियान सार्थकता पैटी

टीकापुर, ३० फागुन । टीकापुर नगरपालिकाके 'ओजरार टीकापुर' अभियानहे नागरिकहुक्रे सकारात्मकरूपमे लेले बाटै । बजार तथा नगरपालिकाके मुख्य चोकमे जडान हुइ लागल 'हाइमास्क लाइट'से टीकापुरके शान्ति–सुरक्षामे सकारात्मक प्रभाव पर्ना विश्वास लेहल बा ।

रातके समयमे आपराधिक क्रियाकलाप बढ्टी गैलपाछे नगरपालिकाके ओजरार टीकारपुर अभियान शान्ति–सुरक्षाके दृष्टिसे उपयोगी रहल स्थानीय प्रकाश चौधरीके कहाइ रहल बाा । "काल्हके रात ओ आजके स्थिति हेरेबर हम्रे परिवर्तनके महसुस करले बाटी । आज कुछ स्थानमे हुइलेस फेन रातके समयमे ओजरार हुइ लागल बा", प्रकाश कहलै, "जोखिम रहल क्षेत्रमे ओजरार बनैना नगरपालिकाके अभियानहे स्थानीय स्वागत करे परल ।"

अभियानअन्तर्गत नगरपालिकासे पहिल चरणमे नगरपालिकाके मुख्य छ स्थानमे हाइमास्क लाइट जडान करे लागल हो । जौन मध्ये एकठो लाइट जडानके काम सम्पन्न होसेकल बा कलेसे अन्य पाँचठो लाइट जडानके काम हुइटी रहल नगरपालिकाके प्रमुख रामलाल डंगौरा थारू बटैलै । अन्य बिजुलीके पोलमे फेन नगरपालिकासे जोखिमके अवस्था हेरके लाइट जडानके काम कैटी आइल बा । विशेषकैके टीकापुर बजार क्षेत्रके अवस्था पहिलेक तुलनामे फेरल बा । बजारके मुख्य चोकमे ओजरार हुइटी गैल बा ।

"स्थानीय नागरिकके चाहनाअनुसार ओजरार टीकापुरके अभियानहे सार्थक बनैना काममे लागल बाटी", नगरप्रमुख थारू कहलै, "विकासके काममे आवश्यकताके आधारमे काम कैना उद्देश्य हमार हो । उ आवश्यकतामध्ये सार्वजनिक स्थानमे ओजरार बनैना कार्यहे प्राथमिकता डेले बाटी ।" हाइमास्क लाइट जडानके लाग नगरपालिकासे चालु आर्थिक बरसमे रू ५४ लाख विनियोजन करल रहे । मार्क कन्स्ट्रक्सन जेभीसे रू ३४ लाखमे कामके ठेक्का पैले बा ।

बजार क्षेत्रमे दुई, टीकापुर खक्रौला सडकखण्डके टमान चौराहमे तीन ओ टीकापुर पार्कके प्रवेशद्वार लग्गे एकठो हाइमास्क लाइट जडान कैटी बा । लाइट जडानके काम चैत मसान्तसम सम्पन्न करसेके पर्ना बा । नगरपालिकाके इञ्जिनियर राजेन्द्र रावल लाइट जडानके काम अन्तिम चरणमे रहल बटैलै । *(बाँकी २ पेजमे)*

ग्राहक वर्गहरुमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरु पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरु थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन
धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४७१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४९६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

महाकाली नाघक लाग डुङ्गाके भर

डडेल्धुरा, ३० फागुन । भारतसँग सीमा जोरल भित्री मधेशके जोगबुडा क्षेत्रके महाकालीमे पुल नैहोके स्थानीय जोखिम मोल्टी महाकाली लडिया वारपार करटी रहल बाटै । भित्री मधेश क्षेत्र परशुराम नगरपालिका ओ भारतहे जोर्ना महाकालीमे पुल नैहोके जोखिम मोलकेर स्थानीय डुङ्गासे वारपार कैटी आइल बाटै ।

डडेल्धुराके झन्डे आधा जनसंख्या रहल भित्री मधेश क्षेत्रके स्थानीय दैनिक उपभोग्य वस्तु खरिद कैना समेत भारतीय बजार ठूलीगाड, बुम, टनकपुर, बनवासा पुग्ना करठै । कृषि उपजसे भारतीय बजारमे मजा मूल्य पाइठ् कलेसे उपभोग्य वस्तु सुपथ मूल्यमे खरिद करे मिलठ् । इ कारण खास कैके परशुराम नगरपालिका-५, ६ ओ ७ के स्थानीयवासी भारतीय बजार आउजाउ करठै ।

महाकाली नाघलपाछे भारतीय सीमामे कालापत्रे सडक रहल बा । औषधि उपचारके लाग समेत भित्री मधेशवासी भारतके खटिमा, बरेली बजारके अस्पतालमे पुग्ना करल वडा नं. ६ के वडाध्यक्ष खगेन्द्रबहादुर सिंह बटैलै ।

परशुराम नगरपालिका-५, परिगाउँस्थित महाकाली लडियाके बाह्राट ओ वडा नं. ६ के सिसमभालामे लडिया नघ्ना दुईठो घाट रहल बावै । इ दुई घाटसे दैनिक सयौँके संख्यामे स्थानीयवासी महाकाली लडिया वारपार कैना करठै । रोजगारीके सिलसिलामे भारतके टमान सहर पुग्ना भित्री मधेशवासी इहे घाटसे डुङ्गासे वारपार कैटी आइल बाटै ।

महाकाली लडियामे पुलके माग कैलेसे फेन हालसम कौनो सुनुवाइ हुइ नैसेकल वडाध्यक्ष सिंह बटैलै । दुईठो घाटमे डुङ्गा सञ्चालन कैना वडा कार्यालयसे बढाबढीमे मोलमोलाइ कैके ठेक्का सम्भौता करल उहाँ बटैलै । दुईठो घाटमे वार्षिक डेढ/डेढ लाख रुपियाँका दरसे डुङ्गा सञ्चालकहे ठेक्का डेहल उहाँ जानकारी डेलै ।

पूर्वप्रधानमन्त्री एवं नेपाली कांग्रेस सभापति शेरबहादुर देउवा गत चुनावमे महाकाली लडियामे परशुराममे मोटरेबल पुल बनैना पहल कैना बटाइल ओरसे पुल बनी कना आशा फेन स्थानीयवासीमे रहल बा । नेपाली कांग्रेस डडेल्धुराके सभापति भीमबहादुर साउद महाकाली लडियामे पुल बनैना पार्टीके एकठो मुख्य एजेन्डा रहल बटैले बाटै ।

मने, नेताके भाषण ओ कहाइमे स्थानीय भर पूर्ण रूपमे विश्वस्त हुइ नैसेकल स्थानीय मीना साउदके कहाइ रहल बा । "चुनावके बेला पार्टीके नेता कार्यकर्ता सक्कु समस्या समाधान कैना कहिके कहठै,' उहाँ कहलै, "मने चुनाव जिटलपाछे समस्या समाधानओर नेताके ध्यान नैजाइठ् ।"

२०७४ सालके निर्वाचनमे भित्री मधेश क्षेत्रसे परशुराम नगरपालिकाके पठानसिंह बोहरा नेकपा (एमाले)से विजयी होके तीन बरससम सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके भौतिक पूर्वाधारमन्त्री फेन बन्लै मने महाकालीमे *(बाँकी ३ पेजमे)*

चौधरी फेसन टेलर्समे विशेष छुट

हमार यहाँ जौनफे मेरिक कोटपाईन्ट, सर्ट, आसकोट, दाउरा सुरुवाल, जुहारी कोट, टाई, टोपी पैनाके साथे स्कूल ड्रेस, क्याम्पस ड्रेस, निजामती कर्मचारीके ड्रेस तथा थान कपडा सुपथ मोलमे बिक्री कैनाके साथे सिलाई फे करजाइठ ।

रेडिमेट कोटपाईन्ट तथा क्याम्पस ड्रेस कोटपाईन्ट मात्र रु. ३५००/- मे

प्रो. विष्णु चौधरी (९८४८७१३४२)

चौधरी फेसन टेलर्स

धनगढी उपमहानगरपालिका (जिप्रका पुल नजिक)

नोट : हमार यहाँ इण्डियाबरेलीके दक्ष कलीगढहकनसे कोटपाईन्ट सुपथ मोलमे सिलाई करटी रहल ग्राहक वर्गहिकनहे सहर्ष जानकारी कराइटी।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेके।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुकनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोप्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकाइ विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सञ्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । -सम्पादक

प्रदेश नामकरणपाछे काम

विचार
श्याम रिमाल

नेपालके अन्य सक्कु प्रदेशसे गैल वर्षसम अपन अपन प्रदेशके न्वारान करलेसे फेन प्रदेश नं १ यिहे फागुन १७ गते किल अपन नामकरण करले बा । 'कोशी प्रदेश' कहिके नाम ढरलेसे फेन वास्तवमे उ 'कौशिकी नदी' स्रवण क्षेत्र हो । नियमसे 'कौशिकी' तत्समसे तद्भवके रूपमे चलाइपरना टे 'कोसी' हो टबफेन प्रदेश नं १ प्रदेश सभासे 'कोशी' पारित करलेसे फेन 'कोसी' चलाइ फेन टे नैकिलल । 'कोसी' राउटेहुके बनैना सन्दुस वा मधुस फेन हो । शब्द वा पदावलीके प्रयोगमे अइसिन मेरिक परिवर्तन आइटिरहठ ओ सरकारी कागजातमे आइलपाछे ओकर ओहे प्रयोगमे बाध्यता फेन आलागल । कालान्तरमे बोलीचालीमे प्रयोग हुइना शब्द लेखनमे फेन स्वीकारगिल । संस्कृत तत्समसे तद्भव होके नेपालीमे प्रयोगमे आइल सयौँ शब्द, पदावली हो । जनमानससे बोल्न अइसिन तद्भव शब्दहे मानक बनाके भविष्यमे मूल धातु वा शब्द हराना चिन्ता रहठ ।

संस्कृतके 'मध्य देश' से 'मधेश' शब्द आइल मानजाइठ । 'मधेश' फेन आगन्तुक हुइल ओरसे 'मधेस' मे बदलसेकल बा, जेकर अर्थ 'प्रज्ञा नेपाली बृहत् शब्दकोश' से 'हिमालसे दक्षिण, विन्ध्यपर्वतसे उत्तर, कुरुक्षेत्रसे पूर्व ओ प्रयागसे पश्चिमओर पर्ना समथर भूभागके पुरान नाउँ मधेस वा मध्यप्रदेश हुइल उल्लेख करल बा । "इतिहासकार बाबुराम आचार्यके अनुसार नेपालमे प्रचलित मधेश शब्द अपनमे 'मध्य देश' से बनल ओ 'मध्य देश' भर संस्कृत भाषाके 'मध्यम देश' से ओ मध्यम देश अपनमे भर पालि भाषाके 'मज्झिमदेश' शब्दावलीसे निर्माण हुइल मानजाइठ । इतिहासमे फेन नेपालमे मधेशबारे एक बुझाइ नैरहे, समयअनुसार फेरल बा । एन्द्रियास होफरके अनुसार, पहिले मदेश/मदेस भारतहे टे जनाए, भारत ओ नेपालके तराई भूभागहे फेन प्रतिनिधित्व करे ।" पहिलेक प्रदेश नं २ फेन अपन नाम 'मधेश' ढरले बा जोन आगन्तुक शब्दके नियम 'मधेस' हुइपरल ।

भगवान् शिव कौनो देवीदेवतासँग रहलमे कौनो एक प्रसंगमे हस्ति मुखसे निकरल मानल काठमाडौँ उपत्यकाके पूर्वोत्तरमा पर्ना वाग्द्वारसे निकरल बहना एक नदीके नाम वाग्मती (संस्कृत नाम वाग्वती=वत्+ई) हुइल । शब्दके पाछे स्त्रीलिंगी प्रत्यय वा परसर्गके रूपमे वती लिखजाइठ, अस्टेकह पुत्रवती, सौभाग्यवती आदि । वाग्वती शब्द फेन बोल्टि बोल्टि वाग्मती हुइल । नेपाली जिभ उहिनहे और बाग्मती, बागमती बनाडेहल । विकिपिडियामे उल्लेख हुइल बा, "विनयपिटकमे (यी) नदीहे नन्दबग्गा ओ वग्गुमुदा कहिके उल्लेख करल बा । यिहिनहे मज्झिम निकायके बत्थ सुत्तन्तमे बाहुमतिके रूपमे फेन उल्लेख करल बा । नेपालके पहिल अभिलेख संवत् ३८९ के एक शिलालेखमे नदीहे वाग्वति पारप्रदेशे के रूपमे उल्लेख करल बा कलेसे पाछे गोपालराज वंशावलीमे यकर वर्णन करल बा ।"

विसं २०७६ पुस २७ मे बैठके तत्कालीन प्रदेश नं ३ प्रदेश सभा बैठक 'बागमती'हे बहुमतसे नामकरण करना प्रस्तावहे समर्थन करले रहे । राष्ट्रिय समाचार समिति (रासस) भर नेपाली बृहत् शब्दकोशमे रहल बाग्मती प्रयोग करटिरहल रहे । बाग्मती सरकारसे भर राससले प्रयोग करल शब्द सही रलेसे फेन राजपत्रमे प्रकाशन हुइल 'बागमती' प्रदेश लिख्न आग्रह हुइटिरहल ओ अन्तमे ओहे लेख्न बाध्य हुइपरल ।

गण्डकी, लुम्बिनी, कर्णाली ओ सुदूरपश्चिमके फेन कुछ चर्चा करि । 'गण्डक' नामके ऋषिके तपस्यासे खुसी हुइल नदी रहल ओरसे गण्डकी कहल जनाइल बा । वृन्दाके श्रापसे विष्णुसे शिला रूप लेहेपरना हुइल ओरसे उहाँ कालीगण्डकीमे शालिग्रामके रूपमे प्रकट हुइल विश्वास करजाइठ । हुइना टे गण्डकके अर्थ गैँडा ओ गाला फेन बा । गैँडा मिल्ना क्षेत्र होके हुइ सेकि कि ? टबफेन खै ध्यान गैल ? मुक्तिक्षेत्रके चुचुरासे नैहोके गण्डस्थल वा कुछ टरे घाँटी क्षेत्रसे निकरना हुइल ओरसे गण्डकी कहल टे नैहो ? "आज लुम्बिनी कहिके चिन्हजैना क्षेत्र मध्यकालमे 'रुमिनदेइ (रूपन्देही)' रहे (राधाकुमुद मुखर्जीहे अशोक) । चिनियाँ यात्री ह्वेन त्साङ ओ फाहियानके चिनियाँ लिपिके प ओ म के रोमन लिप्यन्तरणसे रूपन्देही भर रुमिनदेही हुइ हुइ सेकि ।" (लक्ष्मीप्रसाद खतिवडा, अइसिक प्रमाणित हुइल महाकाली नदी पश्चिमी सीमा हुइल नेपाली तथ्य, हिमालखबर डटकम, २०७७ साउन १) । मौर्य सम्राट् अशोक सन् २४९ मे स्थापना करल अशोकस्तम्भमे 'लुंमिनी गाम' शब्द उल्लेख बा । रुमिनदेही वा लुम्बिनी वा लुम्बिनी पहिले उपवनके रूपमे रहे । अब्बेक लुम्बिनी प्राचीनकालमे रुम्मिनदेई (रुमिनदेई) वा वनदेवीके रूपमे पुजना करल टमान पुस्तकमे जनाइल बा । मायादेवी मूर्तिहे वनके बीचमे मिलल ओरसे मनै नैबुझ्के शक्तिके रूपमे पुज्ना करल हुइ सेकल । अइसिक रुमिनदेई रूपन्देही ओ लुम्बिनी बनल हुइ सेक्ना डेखाइठ ।

कर्णाली नाममे फेन कुछ विवाद बा । यिहिनहे कोइ कर्णाली लिखठ कलेसे कोइ कर्नाली । नेपाल प्रज्ञा-प्रतिष्ठानके पूर्वसदस्य सचिव जगत्प्रसाद उपाध्याय कर्णाली शब्द कर्णाल (कर्नाल) से बनल बटैठै । उहाँक अनुसार यी कर्णाल (कर्नाल) मे 'ई' प्रत्यय लागके बनठ । कर्णाली कलेक तात्कालिक मध्यपश्चिमके भेरी, कर्णाली ओ सुदूरपश्चिमके सेती तथा महाकाली क्षेत्रमे प्रचलित घुँगुरल बाजा हो । उ बाजाहे जोरसे फुकके बजाजाइठ । यकर ध्वनि चर्को सुनजाइठ ओ जमिन थर्कना मेरिक टमान डुरसम जाइठ । कर्णाली नदी फेन भारी ओ लम्मा वा ओ नागबेलीजस्टे बहठ । यकर छालसे चर्को आवाज निकारठ । योगी नरहरिनाथके अनुसार फेन कर्णालजस्टे कलनाद करना हुइल ओरसे यी नदीहे कर्णाली कहल हो । योगी अपन पुस्तक 'इतिहास प्रकाश' (२०१३) मे यिहे बाट लिखल ओ पाछे अन्वेषक सत्यमोहन जोशी फेन उहिनहे स्रोतके रूपमे 'कर्णाली लोकसंस्कृति' (२०२८) मे उल्लेख करल जनाइल बा ।

बाँकी रहल सुदूरपश्चिम प्रदेश । वास्तवमे पृथ्वीके कौनो कोनुवा फेन स्वयंमे पूर्वपश्चिम, उत्तरदक्षिण कना नैरहठ । कौनो स्थानहे केन्द्र मानके किल

बाँकी रहल सुदूरपश्चिम प्रदेश । वास्तवमे पृथ्वीके कौनो कोनुवा फेन स्वयंमे पूर्वपश्चिम, उत्तरदक्षिण कना नैरहठ । कौनो स्थानहे केन्द्र मानके किल सहजिलके लाग दिशा छुट्याइल हो । नेपालके राजधानी काठमाडौँ धादिङ नौबिसेसे हेरलेसे पूर्व ओ काभ्रेपलाञ्चोक बनेपासे हेरलेसे पश्चिम लागठ । अब्बे युरोप, अमेरिकासे कहल मध्यपूर्व फेन हमार लाग पश्चिम एसिया हो । गणतन्त्र आके संघीयता लागू होसेकल अवस्थामे आब केन्द्र कना नैहो । अपनसे अपनहे स्थापित करे सेक्लेसे अपन केन्द्र बनठ । साहित्यके हकमे फेन ओहे लागू होसेकल बा । पत्रकारितामे फेन केन्द्र ओ मोफसल कना भसक्सेकल ।

सहजिलके लाग दिशा छुट्याइल हो । नेपालके राजधानी काठमाडौँ धादिङ नौबिसेसे हेरलेसे पूर्व ओ काभ्रेपलाञ्चोक बनेपासे हेरलेसे पश्चिम लागठ । अब्बे युरोप, अमेरिकासे कहल मध्यपूर्व फेन हमार लाग पश्चिम एसिया हो । गणतन्त्र आके संघीयता लागू होसेकल अवस्थामे आब केन्द्र कना नैहो । अपनसे अपनहे स्थापित करे सेक्लेसे अपन केन्द्र बनठ । साहित्यके हकमे फेन ओहे लागू होसेकल बा । पत्रकारितामे फेन केन्द्र ओ मोफसल कना भसक्सेकल ।

अत्रा भूमिका बध्नाके अर्थ राजतन्त्र मासके गणतन्त्र, नयाँ नेपाल कहल अवस्थामे हमार संघीयता, हमार पहिचान, हमार मानसिकता, हमार सोचाइबारे चर्चा करे खोजल हो । ओहे कोशी, बागमती, गण्डकी, लुम्बिनी, कर्णाली ओ सुदूरपश्चिम बहुमतसे नामकरण करना रहे कलेसे अत्रा माथापच्ची काहे ? कोशीसे किराँत, बागमतीसे नेवा वा ताम्सालिङ, गण्डकीसे मगरात नाम काहे डेहे नैसेकल ? कर्णालीसे ऐतिहासिक सिँजा राज्य काहे ब्यूँटे नैसेकल ? सुदूरपश्चिम अपनहे काहे सुदूर कना मन पराइल ? मधेशबाहेक अन्य नाम टे पहिले फेन रहे । पञ्चायती व्यवस्थासे करिब २० वर्ष बोकल नाम राजनीतिक दलहे काहे प्यारो रहे ? का आब यिहिनहे पञ्चायती संघीयता कहे नैसेकजाइ ? नाममे का बा कना अपन अपन प्रदेशहे समृद्धिके नारा डेके आजसे काहे बहस नैचलैना ?

खासमे आब नामकरण ओ राजधानीके विवाद ओराइल । तथापि सुदूरपश्चिमके राजधानी तोकल गोदावरीके लाग पूर्वाधारके काम अभिन सुरु हुइल नैहो । धनगढीमे आइपरना सोचे लागल हो कि ? प्रदेशके राजनीतिक दल ओ राजकीय पदमे रहल ओरसे विकासमे करना प्रतिस्पर्धासे समग्र मुलुकके विकास ओ समृद्धि हुइना हो । उहाँहुक्रे जत्रे बहस करना बा, समृद्धिके विषयमे कैके अपनअपन प्रदेशहे एक ना एक पहिचान डेना काम करलमे मुलुक ओ जनताके लाग ओहे अमूल्य योगदान रहि ।

लेखक राससमे आबद्ध बटैं ।
साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

ओजरार टीकापुर...

उहाँ कामके जिम्मा पाइल निर्माण कम्पनीसे समयावधिभित्रे काम कैना बटैटी उहीसे ओजरार टीकापुरके अभियानहे टेवा पुगैना विश्वास व्यक्त करले बा ।

नगरप्रमुख थारू अन्य क्षेत्रमे सोलारबत्ती जडानके काम फेन सुरु हुइना बटैलै । उहाँ सोलारबत्ती जडानके लाग रु १० लाख बजेट रहल बटैटी सोलारबत्ती शिविर क्षेत्रमे जडान कैना बटैलै । "शिविर क्षेत्र ओ खुला स्थानमे सोलारबत्ती जडान करब । खुला स्थानहे व्यवस्थित कैके खेलकुद मैदानके रूपमे काम हुइटी रहल ओरसे फेन वहाँ ओजरार आवश्यक रहल बा", नगरप्रमुख थारू कहलै, "खुला स्थानहे व्यवस्थित बनाइके लाग आपराधिक कियाकलापमे लागल युवाहे सुधान करे सेकजैना स्थिति रही ।"

नगरपालिकासे ओजरारसँगे सार्वजनिक स्थानमे सिसी क्यामेरा जडान फेन कैना हुइल बा । शान्ति-सुरक्षाके जोखिम रहल क्षेत्रमे सिसी क्यामेरा जडान कैके आपराधिक क्रियाकलापहे रोके सेकजैना विश्वास नगरपालिका लेले बा । "पहिल चरणमे तार जडानके काम ओराब । ढेर जोखिम रहल क्षेत्रमे इहे बरस सिसी क्यामरा जडान करब", नगरप्रमुख थारू कहलै "बाँकी अइना आर्थिक बरसमे जडान करब । टीकापुर सक्कु दृष्टिकोणसे सुरक्षित बा कना सन्देश हमार डेहे पर्ना बा ।"

दुर्घटनामे...

दुर्घटनामे घाहिल हुइलहुक्रनहे नेपाली सेनाके हेलिकप्टर मार्फत उद्धार करल बा । जिल्ला सुरक्षा समिति डोटीके समन्वय तथा पहल ओ नेपाल सरकार गृह मन्त्रालयके सहयोगमे सेनाके हेलिकप्टरसे उद्धार करल डोटीके प्रमुख जिल्ला अधिकारी कल्पना श्रेष्ठ बटैली । गम्भीर अवस्थाके दिपायल सिलगढी नगरपालिका वडा नम्बर ७ के ६५ वर्षिया धौली देवी बिष्ट ओ दिपायल सिलगढी नगरपालिका वडा नम्बर ६ के ३२ वर्षिय विष्णु बोहराहे नेपालगञ्ज मेडिकल कलेज रिफर करल जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रहरी निरीक्षक देवेन्द्रराज जोशी बटैलै । नेपाली सेनाके एन ए ०६१ नम्बरके हेलिकप्टर मार्फत घाइतेहुक्रनके उद्धार करल रहे ।

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

फैलटि नेटवर्किङ व्यवसाय, फन्दामे उपभोक्ता

राजु चौधरी, सजना बराल

काठमाडौं, ३० फागुन । गरगहनाके व्यापारमे श्रीमान्हे वर्षौंसे सघैंटि आइल पाटन, लगनखेलके कञ्चन शाक्य एक चो हेरल भरमे हीरामोतीके गुणास्तर ओ मूल्य पहिचाने सेक्ठि । मने, उहाँ १८ क्यारेटके हीराके मालाहे अधिक मोल अर्थात् ५ लाख रुपैयाँ डारके किन्ले बटि । 'मै मूर्ख होसेके फस्नु,' उहाँ चुकचुकैठि, '१८ क्यारेटके हीराके कौनो मोल नैहो । अइसिन पत्रु चिजहे मै ऋण खोजके ओत्रा पैसा बुझैनु ।' हाल उहाँ ओहे ऋणके ब्याज तिरटि बटि ।

भक्तपुरके रीना श्रेष्ठ टे और एक कुछ प्रयोग नैहोके बैंकके एटीएम कार्ड जस्टे डेखैना 'क्यूभीआई क्लब कार्ड' हे ५ लाख रुपैयाँ तिरले बटि । विदेश जाँके उ कार्ड देखाके कुछ होटल तथा रेस्टुराँमे ५–१० प्रतिशत छुट पैना बटाइल बा । '१० वर्षमे ४२ ठो देश घुम्न मिलठ कहिके मक्ख परल रहि,' उहाँ कलैं, 'ओकर लाग यी कार्ड किनेपरना कलैं । प्लेनके टिकटसे सक्कु खर्च अपने बेहोरेपरना । कौन–कौन होटलमे भर ओहे कार्ड देखाइलपाछे कुछ छुट डेजाइठ हुन । ओत्र छुट टे कार्ड नैदेखैलेसे फेन मिलजाइठ टे ! मै फेन फसल हुँ ।'

कञ्चन ओ रीना दुनुहे क्यूनेट (क्यूभीआई आवर्जन) नामक नेटवर्क सञ्जालके सञ्चालकहुक्के कमसल हीराके माला ओ प्रयोजनविहीन क्यूभीआई क्लब कार्ड खरिद करना जनही ५ लाख रुपैयाँ मागल रहे । मने, सीधे यकर लाग नैहोके 'अनलाइन बिजनेसहे लगानी' करटि रकम असुलल रहे । घर बैठके हप्तैपिच्छे लाखौं कमाइ सेक्न, विदेश घुमे मिल्ना ओ डलर खेलाइ मिल्ना कहलपाछे दुनुजे क्यूनेटके 'बिजनेस' मे सहभागी हुइना इच्छा देखैलैं । 'स्कुलमे सँगे पहल संघरिया यीबारे बटाइल ओरसे उहाँ फसैहि कना लागल नैरहे,' कञ्चन कलि, 'उहाँक बाट सुनके नेटवर्किङमे जोरलि ओ नैमजासे ठगगैलि ।'

कोभिड लकडाउनके बेला कञ्चनहे हरिसिद्धि बैठना उहाँक एक पुरान संघरिया, ममता अमात्य फोन करले रहि । स्कुल पहल मिल्ना संघरियासँग वर्षौंपाछे गफ कैके कञ्चनहे रमाइलो लागल । सन्चो, बिसन्चो, काम, घरपरिवारबारे दुनुजे सोधीखोजी करलैं । ममता अपने विदेशी कम्पनीके लाग काम करना ओ देश–विदेश आउजाउ करटिरहल बटैलि । फेसबुकमे संघरिया रहल ओरसे कञ्चन ममता दुबइ घुमे गिल तस्बिर फेन डेख्ले रहि । उहाँ ममताके सक्कु बाट पत्याइलि ।

ममताके जागिरे जीवनबारे थप चास ढैके उहाँ अनलाइनमार्फत 'एसओपी फलो' करना ओ उहिनसे डलरमे आम्दानी हुइना करल बटैलि । दुई सन्तानके डाइ कञ्चनहे बुटिक खोल्ना रहर रहे । मने, ममताके प्रगति देखलबाद उहाँहि फेन ओहे मेरिक काम करना मन लागल । कञ्चनके मनसाय बुझके ममता 'टोहार हमार जैसिनके लाग एकदम मिल्ना काम बा' कलि । कञ्चन काम करना इच्छा व्यक्त करलपाछे उहाँहि सुरुमे ५ लाख रुपैयाँ लगानी चाहना कहिगैल । 'ओत्रा पैसा चाहलेसे काम नैकरना कलि,' कञ्चन सम्झलि, 'ममता रिसैलि । काम करम कहिक सबचिज बटैनु कटि उहाँ गाली करलि । संघरियाहे धोका डेहलजस्टे हुइल कहिके मै श्रीमान्सँग साढे २ लाख मागके ओ बाँकी साढे २ लाख सहकारीसे ऋण लेके उहिनहे ५ लाख डेनु ।'

पैसा बुझाइलपाछे कञ्चनहे जुममार्फत 'एसओपी प्रोग्राम' मे स्वागत करगिल । उ बेला अनु महर्जन उहाँहि अपन देखल सपनाके सूची बनैना अहैलि । घर, बंगला, गाडीजैसिन भारीभारी सपना लिखे कलि । ओकरपाछे उहाँहि गहना, घडी, क्यूभीआई क्लब कार्ड, जिमके सामानमध्ये कौनो एक प्रडक्ट खरिद करना कहिगिल । प्रडक्ट खरिद नैकरलेसे बिजनेसमे प्रवेश नैपैना बटाइलपाछे उहाँ गहना रोज्लि । यिहे क्रममे रीना कार्ड रोजले रहि । दुनुहे कुछ समयपाछे उहाँहुक्के रोजल वस्तु

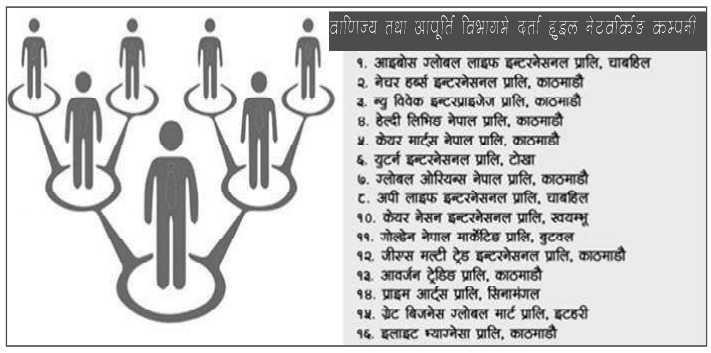

उपलब्ध करागिल । उबेला उहाँहुके अपने नेटवर्किङ मार्केटके चंगुलमे परल लगभग बुझसेकल रहैं । अपन पैसा फिर्ता लेना कुछ पहल फेन करलैं । मने पाइ नैसेक्लैं ।

'सुरुमे बुझाइल ५ लाख यिहे प्रडक्टके लाग रहे,' रीना कलि, 'सदस्य शुल्कजस्टे रहे उ । प्रडक्ट किनलपाछे महिन १ महिनाभित्रे पहना कहिके ७ ठो किताब डेलैं । उ किताबमे नेटवर्किङ बिजनेसहे आवश्यक पर्ना बाट लिखल रहे । उ पहसेकलपाछे मै चिन्हल ५ सय जाने मनैन्के नाम ओ नम्बरसहितके लिस्ट बनैना कहिगिल । उ लिस्टसे दिनके कम्तीमे ५ जहनहे फोन कैके इन्फो दिन सिखागिल । इन्फो डेना कलेक का हो कलेसे जैसिक ममता महिनहे फोन कैके विदेशी कम्पनीमे काम करठु, लाखौं डलर कमैठु कना रहे, मै फेन औरेहे अस्टे गफ डेहेपरना रहे । नयाँ सदस्य कैसिक बनैना, कैसिक गफ करना कनाबारे हरेक दिन हृवाट्सएप मिटिङमे हम्रिहिनहे सिखागिल ।'

रीना ओ कञ्चनहे सुरुमे उहाँहुकनके घरके सदस्यहे क्यूनेटमे जोरना कहिके दबाब डेगिल । हट जोन (घरके सदस्य), वार्म जोन (आफन्त, इष्टमित्र) आ कोल्ड जोन (साथीभाइ, छिमेकी, चिनलजानल) कैके तीन मेरिक मनैन्हे सञ्जालमे जोरना कहिगिल । 'अप्ने टे फस्नु–फस्नु, औरेहे कैसिक फसैना कहिके लागल,' रीना कलि, 'सदस्य नैथपल ओरसे महिनहे गाली करना, थर्कैना करिट । सदस्य नैथपके कैसिक बिजनेस करजाइ कहिजाए ।' सदस्य थप्के प्रतिसदस्य ५० हजार रुपैयाँ कमिसन मिल्ना उहाँहि बटागिल । पाँच लाख तिरके ५० हजार कमैना काइदा हाँसीउठ्ना ओ सरासर ठगी कना लागलपाछे रीना ओ कञ्चन वहाँहसे बाहिरिलैं ।

यीविरुद्ध बोले लागलओरसे उहाँहुकनहे हृवाट्एप ग्रुपसे हटाइल बा कलेसे 'बिजनेस'से निकारल बा । उहाँहुक्के यी नेटवर्कबारे प्रहरीमे उजुरी डरना बटाइलमे यकर सञ्चालकहुक्के 'पहिले फेन टमान उजुरी परल, टोहरे फेन डारो' कना करल कञ्चन बटैलि । 'यिहे नेटवर्कमे रहल मनीष प्रजापतिविरुद्ध उजुरी परल रहे,' रीना कलि, 'उ टमान जहनके पैसा खाइल । पीडितहुके खोजी करलपाछे हैरानी डेहल कहिके ओहे पाटन उच्च अदालतमे मुद्दा डारल । मुद्दा हारलपाछे ऊ फरार बा ।' रुबी श्रेष्ठ, मनीष रायमाझीलगायत टमान व्यक्तिहे प्रजापतिसे क्यूनेटमे जोरना ५ लाख रुपैयाँ ठगल रहे ।

नेपालमे क्यूनेट प्रतिबन्धित रहल ओरसे हाल यी क्यूभीआई (आवर्जन) सँग मर्ज होके छद्म रूपसे सञ्चालन हुइटिरहल बा । आवर्जनके सोरुम ठमेलके छाया सेन्टरमे बा । यिहिनसे स्याम्पु, तेल, कन्डिसनर, बडी स्क्रब आदि बेच्ना करठ । कुछ समयआघे क्यूनेट ओ आवर्जनके मर्जर कार्यक्रममे अभिनेता राजेश हमाल प्रमुख अतिथि रहैं ।

उ कार्यक्रममे क्यूनेटके सयौं सदस्यहे अनिवार्य उपस्थित हुइना हरल रहे । अप्नेहुक्के ६ हजार रुपैयाँ प्रवेश शुल्क तिरके ओ मर्जर डकुमेन्टमे अनिवार्य हस्ताक्षर करे लागल वहाँ उपस्थित औरे एक सदस्य बटैलै । 'आवर्जनसँग जोरलपाछे उहाँहुकनहे बिजनेस करना सहजिल हुइल बा,' नाम उल्लेख करे नैचाहल उहाँ कलि, 'अचेल क्यूनेटके सञ्चालकके अफिस वहैं हो ।' साथे, नव सदस्यसँग भेटघाट करना एक प्रमुख स्थल भर महाराजगन्जस्थित शिक्षण अस्पतालके मनमोहन भवनके उप्रेक तलामे रहल क्यान्टिन रहल उहाँ जनैलि ।

क्यूनेटमे हाल सुमित श्रेष्ठ, रिकेश श्रेष्ठ, अनु महर्जन, विकल्प श्रेष्ठ, मनोज केसी, बिना महर्जनलगायत मुख्य सञ्चालक हुइट् । उहाँहुकनमध्ये टमानजे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट ओ बैंकर रहल पीडित बटैठैं । यकर मुख्य व्यक्ति भर दुनुमे रहल पीडितहुकनके कहाइ बा । साताआघे बझाङमे फेन पिरामिड शैलीमे नेटवर्किङ सञ्चालन हुइटिरहल फेला परल रहे । आरएनसी ट्रेडिङसे पिरामिड शैलीमे नेटवर्किङ कैके सर्वसाधरणहे ठगल पुष्टि हुइल रहे । ओकरपाछे सहायक प्रमुख जिल्ला अधिकारी प्रमोद चन्द नेतृत्वके टोली कार्यालयमे जाके कम्पनी बन्द करना लिखित निर्देशन डेले रहे । जिल्ला समन्वय समितिके यज्ञराज खत्री, जिल्ला घरेलु कार्यालयके दशरथबहादुर जप्रेल ओ उद्योग वाणिज्य संघके निम थापा सहभागी रहैं ।

कम्पनीके कागजपत्र ओ कारोबारके छानबिन कैके वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्री व्यवस्थापन तथा नियमन करना ऐन ०७४ अनुसार इजाजत प्राप्त नैकैके नेटवर्क मार्केटिङके काम करटि आइल पागिल बा ।

उल्लिखित घटना प्रतिनिधि कुछ उदाहारण किल हो । पाछेक समय नेटवर्किङसे सर्वसाधारण ठगी करना गिरोह सक्रिय हुइल बा । उहाँहुक्के सामाजिक सञ्जालके प्रयोग कैके सर्वसाधारणहे ठग्टिरहल बटैं । मने नियमक निकाय वाणिज्य आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग निर्देशन डेके किल पन्छना करल बा । 'वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्रीके नाममे १६ ठो कम्पनी दर्ता होसेकल बा । थप ४ कम्पनी आवेदन डेले बा । नाम प्रत्यक्ष बिक्री हुइलेसे फेन उद्देश्य नेटवर्किङ हो । उहाँहुक्के नेटवर्किङके माध्यमसे सर्वसाधारण ठगले बटैं,' वाणिज्य स्रोत कहठ, 'पाछेक समय वाणिज्यमे दर्ता करे पैना नियम हुइलपाछे वैधानिकता पाइल । ठगी करुइयनके मनोबल बह्रल बा ।'

विभागसे वस्तु तथा सेवा प्रत्यक्ष बिक्री ऐन ०७४ ओ नियमावली ०७६ के आडमे अइसिन व्यवसायीहे ०७७ असार १६ से इजाजतपत्र डेना सुरु करले रहे । इजाजत पैना कम्पनीके प्रायः सञ्चालक 'पुराने नेटवर्किङ गिरोह'मे आबद्ध हुइट् । वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्रीके नाममे संसद्के उद्योग तथा वाणिज्य ओ श्रम तथा उपभोक्ता हित समितिके निर्देशन शंकास्पद डेखाइल रहे । समिति स्वयं तयार पारल प्रतिवेदनमे ऐन ओ नियमावलीमा 'र' ओ 'वा' लगायत शब्द ढैके नेटवर्किङ घुसाइ खोजल, कार्यविधि/निर्देशिका बनाके किल इजाजत डेहेपरना उल्लेख करलेसे फेन ओकर विपरीत इजाजत डेना हतार करले रहे । व्यवसायहे इजाजत नैडेहल कटि वाणिज्य तथा आपूर्ति सचिवहे लाइसेन्स नैडेके कारणसहित पाँच दिनभित्रे स्पष्टीकरण मग्ना निर्णयसमेत करले रहे ।

०७७ साउन १५ मे बैठल समिति बैठकसे नयाँ इजाजत डेना कार्य समितिके औरे निर्णय नैहुइटसमके लाग स्थगन करना वाणिज्य आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभागहे निर्देशन डेले रहे ।

ओकरपाछे समितिसे सांसद सोमप्रसाद पाण्डेके संयोजकत्वमे उपसमिति गठन कैके एक महिनाभित्रे प्रतिवेदन पेस करना टीओआर डेले रहे । उपसमितिसे तयार पारल प्रतिवेदनसे व्यवसाय प्रवर्द्धन करना वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्री ऐन ०७४ ओ नियमावली ०७६ बनल मने उ ऐन नियमावलीसे यी मेरिक व्यापार व्यवसाय करना निर्देशिका तथा कार्यविधि बनाके व्यवस्थित कैके किल व्यापारिक कार्यके अनुमति डेहेपरनामे विभागसे कार्यविधि तथा निर्देशिका नैबनाके इजाजत डेहल पुष्टि करले रहे ।

उपसमितिसे प्रतिवेदन तयार करनाआघे विभागसे ०७७ असार १६ से नेचर हर्ब्स इन्टरनेसनल प्रालि, न्यु विवेक इन्टरप्राइजेज प्रालि, हेल्दी लिभिङ नेपाल प्रालि, ग्लोबल ओरियन्स प्रालि, आइबोस ग्लोबल लाइफ इन्टरनेसनल प्रालि, केयर माट्र्स इन्टरप्राइजेज प्रालि ओ यू टर्न इन्टरनेसनल प्रालिहे इजाजत डेसेकल रहे । उहाँहुक्के सामाजिक सञ्जालमार्फत नेटवर्किङ करटिरहल रहैं । ओकरपाछे उपसमितिसे वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्री (व्यवस्थापन तथा नियमन करना) ऐन ०७४ तथा नियमावली ०७६ संशोधनसहित १८ सुझावसहित पेस करल रहे ।

उपसमितिके प्रतिवेदन समितिसे अनुमोदन करटि विभागहे कार्यान्वयन करना निर्देशन डेहल रहे । कार्यविधि नैबन्टि विभाग भटाभट इजाजत डेले रहे । ०७७ असोजमे प्रतिबन्धित नेटवर्किङ व्यवसाय करटिरहल कटि विभाग चार दर्जन कम्पनी तथा व्यक्तिहे पक्राउ कैडेना केन्द्रीय अनुसन्धान ब्युरो (सीआईबी) हे पत्र पठैले रहे । टबफेन नेटवर्किङ कारोबार रुकल नैहो । पाछेक समय नेटवर्किङ व्यवसायी और बहेलागल बा । 'वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्रीके लाग इजाजतप्राप्त कम्पनीहुक्के वार्षिक कार्यप्रगति प्रतिवेदन आदिके अध्ययन हुइटिरहल बा । वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्रीसम्बन्धी प्रचलित कानुन, संसदीय समितिके अध्ययन प्रतिवेदन एवं निर्देशन ओ वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्रीसम्बन्धी सिद्धान्तबमोजिम स्वच्छ बजार कायम करना इजाजतपत्र प्राप्त कम्पनीके व्यावसायिक क्रियाकलापमे तत्काल सुधार करेपरना डेखाइल बा,' पत्रमे कहल बा । उपभोक्ता कम्पनीके वस्तु खरिद करेक लाग कौनो मेरिक सदस्यता लेहे नैपरना, नागरिकताके प्रमाणपत्र वा प्यान कार्ड बुझाइ नैपरना सुनिश्चितता करना फेन पत्रमे कहल बा ।

वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्री करना व्यवसायमे सुधारके आवश्यकता डेखाइल विभागके प्रवक्ता होमनाथ भट्टराई बटैलैं । ओहेअनुसार सक्कु व्यवसायीहे पत्र पठाइल फेन उहाँक कहाइ बा । 'विभागमे दर्ता नैहोके प्रत्यक्ष बिक्रीके कारोबार करना वाईबीओ ट्रेडहे एक साताआघे जिल्ला अदालतमे मुद्दा दायर करले बटि । बझाङमे फेन नेटवर्किङ व्यवसाय करल डेखाइल बा । कुटलोग सिधे ठग्ले बटैं । प्रहरी, जिल्ला प्रशासन कारबाही फेन करले बा,' उहाँ कलैं, 'दर्ता हुइलेसे फेन कुछ वस्तुके प्रत्यक्ष बिक्रीबारे बुझल नैहो । टबेमारे नियमन करना ओ एक कानुनके दायरामे नन्ना निर्देशन डेले बटि ।' *–इकान्तिपुरले*

स्वाइन फिभरके संक्रमणसे मरे लगलै बंगुर

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३० फागुन । सुदूरपश्चिमके ३ जिल्लामे सुवर बंगुरमे अफ्रिकन स्वाइन फिभरके संक्रमण डेख परल बा । पशुपंक्षी रोग अन्वेषण प्रयोगशाला धनगढीका अनुसार सुदूरपश्चिमके कैलाली कञ्चनपुर ओ डडेलधुरामे बंगुरमे अफ्रिकन स्वाइन फिभरके संक्रमणसे सुदूरपश्चिममे बंगुर मरे लागल बाटै ।

कार्तिक १५ मे कैलालीमे डेखल संक्रमण अब्बे कञ्चनपुर ओ डडेलधुरामे समेत डेख परल बा । नेपालमे जंगली बँदेलमे समेत संक्रमण डेखल पशुपंक्षी रोग अन्वेषण प्रयोगशाला धनगढी जनैले बा । पशुपंक्षी रोग प्रयोगशाला धनगढीके प्रमुख डाक्टर नरेश जोशी कैलाली ओ कञ्चनपुरमे बंगुर पालन ढेर रहल ओ उ क्षेत्रमे संक्रमण बह्रटी रहल बटैलै । पाँच प्रतिशत ढेरमे संक्रमण डेखल बटैलै । उहाँ अब्बेसम कैलाली ओ कञ्चनपुरके सक्कु स्थानीय तहमे संक्रमण डेखल जानकारी डेलै ।

कैलाली ओ कञ्चनपुरमे थारू बस्तीमे स्वाइन फिभरके संक्रमण ढेर डेखल बा । परीक्षण करलमे संक्रमण डेखल ओरसे बँदेलके रगतके नमुना संकलन कैके पीसीआर परीक्षणके लाग काठमाडौं पठैना करल बटैलै । २०७८ चैतमे पहिलचो नेपालमे उ संक्रमण डेखल रहे । शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके बँदेलमे गत अँठ्वार संक्रमण डेखल हो ।

निकुञ्जके बर्निंखेडा क्षेत्रमे मृत भेटल बँदेलके पोस्टमार्टमसँगे पीसीआर परीक्षणमे संक्रमण पुष्टि हुइल डाक्टर जोशी बटैलै । निकुञ्ज क्षेत्रमे पहिलचो डेखल संक्रमणसे जैविक विविधतामे संकट आइ सेक्ना उहाँके कहाइ रहल बा । सुदूरपश्चिमके कैलाली ओ कञ्चनपुरमे बंगुरके व्यावसायिक पालन हुइटी रहल बा । सुदूरपश्चिम पशुपक्षी तथा मत्स्य विकास निर्देशनालय दिपायलके सूचना अधिकारी पुष्कर्राज नाथ प्रदेशमे करिब ५० हजार बंगुर रहलमे कैलालीमे २४ हजार ओ कञ्चनपुरमे १४ हजार रहल बटैलै ।

सूचना अधिकारी नाथके अनुसार कैलाली ओ कञ्चनपुरमे ५/५ बरवार ओ १०/१० ठो छोट फार्म रहल बावै । स्वाइन फिभरके संक्रमण बह्रलपाछे बंगुर मरे लागलपाछे व्यवसायी चिन्तीत बनल बाटै । कलेसे बंगुर पालन प्रभावित हुइल बा । स्वाइन फिभरके संक्रमण पहिलचो अफ्रिकी मुलुकमे डेखल ओ हालसम उपचार पत्ता नैलागल बटाइल बा । संक्रमण हुइ नैडेहक लाग जैविक सुरक्षा (भौतिक दूरी) अपनाइ पर्ना पशुपंक्षी रोग विशेषज्ञ बटैले बाटै ।

महाकाली नाघक...

पुल बनैना पहल नैकरल उहाँ बटैलै । २०७० सालके निर्वाचनमे नेपाली कांग्रेससे परशुरामके नरभान कामी प्रतिनिधि सभामे समानुपातिक सदस्य बनल रहिट । २०७४ मे नेकपा (एमाले)से चक्र स्नेही राष्ट्रिय सभा सदस्यसमेत बनलै । हाल फेन भित्री मधेश क्षेत्र आलितालके जगत पार्की नेकपा (माओवादी केन्द्र)से राष्ट्रिय सभा सदस्य रहल बाटै मने महाकाली लडियामे पुल नैहोके स्थानीय जोखिम मोलके वारपार करे पर्ना बाध्यता यथावत् रहल बाटै ।

भारतके उत्तराखण्डमे रहल पूर्णागिरिधाम ओ नेपाल ओरके परशुरामधामके पर्यटकमार्फत जोर्ना फेन महाकालीमे पुल आवश्यक रहल बा । भगवान् परशुराम ध्यान ओ स्नान करल परशुरामधाममे माघेसङ्क्रान्तिके दिन बरबार मेला लग्ना करठ् । सुदूरपश्चिम, नेपालके टमान स्थानलगायत भारतसे समेत ढेर संख्यामे स्नान करे भक्तजन परशुरामधाम पुग्ना करठै ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

सकेसम्म स्वदेशमा नै परिश्रम गरौं, विदेशमा गएर पैसा कमाउन त्यति सजिलो छैन ।

असल श्रम सम्बन्धको आधार, सामाजिक सुरक्षा र रोजगार ।

- औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं, व्यवसायीजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- सुमधुर श्रम सम्बन्ध कायम गरौं, उत्पादकत्व वृद्धि गरौं ।
- कार्य स्थलमा सुरक्षाका उपकरणहरु उपयोग गरौं, प्राणघातक रोग लाग्नबाट बचौं र बचाउँ ।
- योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा, हाम्रो साझा प्रतिवद्धता ।
- बाल श्रमको प्रयोग नगरौं, नगराऔं ।
- बालकालिकालाई कुनै पनि किसिमको श्रममा संलग्न नगराऔं ।
- १८ वर्ष उमेर पूरा नभएका बालबालिकालाई श्रममा संलग्ना गराउनु कानूनी रुपमा दण्डनीय अपराध हो ।
- बाल श्रमको प्रयोग गर्नु कानूनी मात्र होइना सामाजिक अपराध पनि हो ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

खुशीको खबर ! खुशीको खबर !! खुशीको खबर !!!

तपाई हाम्रो शहर धनगढीको क्याम्पसचोकमा श्री मष्टा डेन्टल क्लिनिक सञ्चालनमा आइरहेको जानकारी गराउँदछौं । दाँत, मुख, र गिजासम्बन्धी सम्पूर्ण रोगहरूको उपचार अत्याधुनिक उपकरण र विशेषज्ञ डाक्टरहरू, डेन्टल हाइजेनिष्टद्वारा उपचार गरिने जानकारी गराउँछौं ।

हाम्रो क्लिनिक हप्ताको सातै दिन खुला रहनेछ ।

हाम्रा सेवाहरु

- निःशुल्क दन्त परीक्षण तथा परामर्श ।
- गिजाबाट रगत आउने, गिजा सुन्निने र श्वास गन्हाउने रोगको उपचार गरिने छ ।
- भाँचिएको दाँतलाई नचिनिने गरी खोल (Crown) लगाइने ।
- नदुखाई दाँत निकाल्ने ।
- अल्ट्रासोनिक स्केलिङ मेसिनद्वारा दाँत सफा गरिने तथा दन्तर्षाको उपचार गरिन्छ ।
- दाँतमा पोलिस गरिने ।
- दुखेको दाँतमा जरैदेखि उपचार (RCT) गरिने ।
- किराले खाएको दाँतमा नचिनिने गरी सिमेन्ट भर्ने ।
- बाँगाटिँगा नमिलेका दाँतहरूलाई मिलाइने ।
- दाँत नभएको ठाउँमा नचिनिने गरी स्थायी तथा अस्थायी दाँत लगाइने ।
- बच्चाहरूको दुखेको दाँतको उपचार ।
- पुरै सेट दाँतहरू लगाइने ।
- विश्वसनीय निर्मलीकरणको व्यवस्था भएको ।

अत्याधुनिक उपकरण र विशेषज्ञ डाक्टरहरू, डेन्टल हाइजेनिष्टद्वारा उपचार गरिने ।

खुल्ने समय: हप्ताको सातै दिन बिहान ७ बजेदेखि बेलुका ७ बजेसम्म

श्री मष्टा डेन्टल क्लिनिक

क्याम्पसचोक, धनगढी, कैलाली

(सरोज पेट्रोल पम्पको अपोजिट, देव मेडिकलसँगै)

सम्पर्क: ९८६९१८३४६४, ९८२५११९५६९

नोट: आर्मी, प्रहरीमा भर्ति हुन चाहनेहरूको लागि नचिनिने गरी दाँत भर्ने र दाँत राख्निने व्यवस्था पनि छ ।

लोपोन्मुख पक्षी गिद्ध संरक्षण नैहोके संकटमे

बैतडी, ३० फागुन । बैतडीसहित सुदूरपहाडके पहाडी जिल्लामे प्रकृतिके कुचीकारके रूपमे रहल लोपोन्मुख पक्षी गिद्ध संरक्षण नैहोके संकटमे परल बाटै । बासस्थानके समस्या, जलवायु परिवर्तन, औषधिके प्रयोग ओ आहाराके अभावसे गिद्ध संकटमे परल हुइट ।

यहाँके पाटन नगरपालिका–८ स्थित सिद्धनाथधाम क्षेत्र, पाटनकै वडा नं ३, ४, ८, ९ ओ १०, सिगास गाउँपालिका–७ ओ ८ ओ पुर्चौडी नगरपालिकाके कुछ क्षेत्र गिद्धके मुख्य तथा उपयुक्त बासस्थानके रूपमे लेजाइठ् ।

पाछेक समय मुख्य बासस्थान क्षेत्रमे गिद्ध डेखजैना छोरल नेपाल पक्षी संरक्षण सङ्घके चराविज्ञ हिरुलाल डगौरा बटैलै । टमान अध्ययन तथा अनुसन्धानके अनुसार पाछेक कुछ समय यहोर गिद्ध मुख्य बासस्थानमे डेखजैना छोरल बाटै । उहाँ कहलै, 'अतिसंकटापन्न सूचीमे रहल गिद्धके संरक्षण हुइ नैसेकके संकटमे परल बाटै, कुछ बरस यहोर गिद्ध कम संख्यामे डेख परे लागल बाटै, पहाडी क्षेत्रमे गिद्ध संकटमे पर्ना आगलागी ओ आहारा अभाव मुख्य कारण हो ।'

फागुनसे जेठसम प्रजनन करैना समयमे रहल इहे समयमे आगलागीके घटना बह्रके गिद्ध लोप हुइटी गैल हुइट । उहाँ कहलै, 'प्रजनन समयमे आगलागीके घटना ढेर हुइना करल ओरसे गिद्ध संकटमे परल बाटै, आहार ओ बासस्थान कमी हुइलपाछे पलायन हुइना करठै ।'

प्रायः सेम्रक रुख्वामे ठाँठ बनैना गिद्धनके लाग ठाँठ बनैना बरवार रुख्वा नैहरल ओरसे लोप हुइटी गैल बटाजाइठ् । यकर साथे पाछेक समयमे डाइक्लोफेनेकसँगे किटोप्रोफेन, निमुस्लाइड (जनावरमे दुखाइ कम कैना औषधि) जैसिन औषधिको प्रयोगसे फेन गिद्धके स्वास्थ्य प्रतिकूल असर पुगैना फेन गिद्ध संरक्षणमे चुनौती थपल चराविज्ञके कहाइ रहल बा ।

साथसाथे आहाराके खोजीमे रहल गिद्ध हाइटेन्सन विद्युत् लाइनमे टकराके मर्ना करल विज्ञ डंगौराके कहाइ रहल बा । चरा विज्ञके अनुसार बैतडीमे हिमाली, हाडफोर, गोब्रे (सेतो गिद्ध), राजगिद्ध, सुनगिद्ध, डङर तथा सानो खैरो सहित आधा दर्जन ढेर गिद्ध बैठ्ना करल बाटै ।

गिद्ध अनपहे सिकार नैकैके मरल जनावर तथा सिनो खैना करठै । फोहर तथा हानिकारक मासुजन्य सिनोहे खाके वातावरणहे प्रदूषित बनैनासे बचैना करल बाटै । गिद्धमे हानिकारक तत्वहे फेन पचाइ सेक्ना क्षमता रहल ओरसे वातावरणहे फेन स्वच्छ रख्ना काम करठै ।

गिद्ध संरक्षणके लाग तीनु तहके सरकारसे ठोसरूपमे आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन करे पर्ना आवश्यकता रहल बा । सरकारसे गिद्ध संरक्षणके लाग छुट्टे कार्यक्रम नैरहल ओरसे फेन अइसीन समस्या आइल डिभिजन वन कार्यालय बैतडीके प्रमुख भीमप्रसाद कँडेल बटैलै । उहाँ कहलै, 'इकोसिस्टम जोगैना गिद्धनके बरवार भूमिका रहल बा, गिद्ध संरक्षणके लाग सरकारसे ठोस कार्यक्रम लाने सेकल नैहो ।'

गिद्ध संरक्षणके लाग कौनो पहल नैहुइल ओ यकर लाग सरकारी ओ स्थानीय तवरसे पहल हुइ सेक्लेसे लोप हुइटी गैल गिद्धनके संरक्षण हुइना दोगडाकेदार गाउँपालिका–३ श्रीकोटके हेमराज गिरीके कहाइ रहल बा । उहाँ कहलै , 'गिद्ध मरल सिनो खाके प्रकृति सफा रख्ना हुइल ओरसे मानव स्वास्थ्यके दृष्टिकोणसे फेन संरक्षण जरुरी रहल बा, यकर लाग गिद्धके संरक्षण आवश्यक रहल बा ।' गिद्ध संरक्षण कैना वन कार्यालयसे सेमरक रुख्वा कटानीमे रोक लगाके नयाँ वृक्षारोपणके अभियानमा सेमराहे प्राथमिकता डेहे पर्नामे गिरीके जोड रहल बा ।

चुच्चो, नांगो तथा लम्मा गर्धन डेखेबर घिनलग्ना ओ भद्दा जिउडाल रलेसे फेन इ पर्यावरणके लाग ढेर भूमिका रहल पक्षी हुइट । यकर ढेर धार्मिक महत्व फेन रहल बा । गिद्ध जनावरके सिनो ओ फेकल मासुजन्य फोहर पदार्थ खाके वातावरणहे प्रदूषणमुक्त, दुर्गन्धमुक्त तथा रोगमुक्त बनैना भूमिका खेलल् रहठै ।

गिद्ध पर्यावरणके शुद्धीके साथे प्राणी मात्रके लाग पूजनीय रहल उहाँके कहाइ रहल बा । धार्मिक ओ सांस्कृतिक आस्थासँग फेन जोरजैना गिद्धहे शनिदेवताके वाहनके रूपमे पुजजाइठ् । प्रसिद्ध धर्मग्रन्थ रामायणमे रावण राक्षससे सीताहे हरण कैके लंका लैजाइबर सीताहे जोगैना गिद्ध अन्तिम श्वास रहटसम लरल उल्लेख रहल बा ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. सौरभ सुवेदी
फिजिसियन

डाक्टर आउने मिति:
प्रत्येक दिन २४ औं घण्टा

सेवाहरू:
- पेट, मुटु तथा छातीको रोगसम्बन्धी समस्या,
- मधुमेह (डायविटिज) समस्या,
- कलेजो रोग सम्बन्धी समस्या,
- TB, हेपाटाइटिस रोगको समस्या,
- ब्लड प्रेसर तथा हृदय रोग सम्बन्धी समस्या ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू: *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरु, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

श्री रामजानकी सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह

घोडाघोडी नगरपालिका–११, मुर्गहुवा, कैलाली

आ.व. २०७८/०७९ असार मसान्तसम्मको आयव्यय विवरण

खर्च विवरण	रकम	आम्दानी विवरण	रकम
कार्यालय सामान खर्च	५५,३६०.००	काठ विक्री	४,६५६,३०६.००
छपाई खर्च	५५,६८०.००	काठ विक्री आपुर्ती	२९२,००६.००
प्रविधिक खर्च	४५,०००.००	काठ विक्री आन्तरिक	५४१,८०५.००
नविकरण खर्च	२८,०३५.००	सिफारीस	५०.००
सुचना तथा विज्ञापन खर्च	८,५००.००	दाउरा विक्री	३८६,४०५.८०
आर्थिक सहयोग	११८,००५.००	टेन्दर निवेदन	१६,०००.००
ईन्धन खर्च	१८,२००.००	खर विक्री	३००.००
मसलन्द खर्च	२६,५०५.००	काठ विक्री छिमेकी	४६३,८८५.००
विविध खर्च	४३,९७९.९९		
खाजा तथा नास्ता खर्च	६१,११६.००		
संचार खर्च	१६,९८५.००		
वन हेरालु तलव	१३१,५००.००		
चनदेवी पुजा खर्च	२३,०००.००		
दाउरा कटाई खर्च	४०,२८५.००		
मन्दिर लाई सहयोग खर्च	७,७८०.००		
झाडी सफाई खर्च	५०,९००.००		
अनुगमन खर्च	६०,२७५.००		
अतिथि सत्कार खर्च	३५,९७५.००		
काठ दाउरा संकलन खर्च	१,००४,७८९.२०		
बैठक खर्च	५४,९००.००		
काठ चिराई खर्च	५४,८३८.००		
अग्नि रेखा निर्माण तथा सफाई खर्च	४५,८००.००		
यातायात खर्च	४३,७५०.००		
वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन खर्च	७७,०००.००		
ताल मर्मत	१०४,०००.००		
साधारण सभा खर्च	५१,२५०.००		
दैनिक भ्रमण खर्च	४४,०००.००		
सिल वन्दी खोलाई खर्च	२९,०००.००		
कपडा खरिद	४,७५०.००		
खेलकुद सामाग्री	११,११०.००		
मर्मत खर्च	२,०१०.००		
लेखा व्यवस्थापन खर्च	१०,०००.००		
वन घेरवार खर्च	१६४,१८६.००		
छपान खर्च	३३,०००.००		
ग्यास खरिद	४२४,०००.००		
बैज्ञानि वन वोर्ड वनाई खर्च	२०,०००.००		
राम जानकी मन्दिर	५०,०००.००		
रामजानकी कृषक समुह सहयोग	२९६,७७२.००		
समुहमा सहयोग	२०,०००.००		
भवन मर्मत खर्च	८५,९७५.००		
घुम्ती कोष खर्च	२५०,०००.००		
गरिवलाई सहयोग	३५०,६९०.००		
ले.प पारिश्रमिक	२५,०००.००		
ह्रास कट्टी	२९,३५२.५२		
तिर्न वाँकी खर्चहरु	८६५,८७५.००		
गत विगत व्ययभार मिलान	१,३१८,५१९.८७		
वचत	५९,०२९.२२		
जम्मा	६,३५६,७५७.८०	जम्मा	६,३५६,७५७.८०